

2. Write notes on any **three** of the following :

6×3=18

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :

(i) Pramana-vritti

प्रमाण-वृत्ति

(ii) Jnanayoga

ज्ञानयोग

(iii) Bhaktiyoga

भक्तियोग

(iv) Dhyana

ध्यान

(v) Rasa Nishpatti

रस-निष्पत्ति

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : **5232** **I**

Unique Paper Code : 2134000022

Name of the Paper : Ancient Indian Psychology-GE

Name of the Course : **Common Prog. Group
NEP 2020**

Semester : VIII

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 90**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Answer any **four** of the following questions:

18×4=72

निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए

- (a) Describe the characteristics of the mind endowed with auspicious resolve (Shubha-sankalpa) as described in the Shiva Sankalpa Sukta.

शिवसंकल्प-सूक्त में वर्णित शुभसंकल्पयुक्त मन की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

- (b) According to Chapter 2 of the Shrimad Bhagavad Gita, describe in your own words the characteristics and nature of a Sthitaprajna' (a person of steady wisdom)

श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के अनुसार स्थितप्रज्ञ' पुरुष का लक्षण एवं उनके स्वरूप को अपने शब्दों में लिखिए।

- (c) According to Yoga philosophy, describe the nature of Chitta and explain the types of Chitta-vrittis (mental modifications).

योगदर्शन के अनुसार, चित्त का स्वरूप बताते हुए चित्तवृत्तियों के प्रकारों को बताइए।

- (d) Write in your own words about the five Kleshas (afflictions) described in the Patanjali Yoga Philosophy.

पातञ्जलयोग दर्शन में वर्णित पांच क्लेशों को अपने शब्दों में लिखिए।

- (e) "Meditation (Dhyana-Yoga) is extremely important for mental health in Yogic practice." Justify this statement.

योग-साधना में ध्यान-योग मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है- इस कथन की पुष्टि कीजिए।

- (f) Explain the types of Bhavas (emotional states) described by Bharata Muni in the Nattyashastra with suitable examples.

भरतमुनि के नाट्यशास्त्र में वर्णित भाव के प्रकारों को उदाहरण सहित समझाइए।

- (g) According to the Nattyashastra, explain the Rasas (aesthetic sentiments) and their corresponding Sthayi Bhavas (permanent emotions) in detail.

नाट्यशास्त्र के अनुसार रस के प्रकार तथा उनके स्थायी भावों को विस्तार से बताइए।